A–0631

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DPJ-103

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह कितने प्रकार के हैं तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विवाह पर विस्तार पूर्वक लिखिए।

2. आधुनिक समाज में आसुर, गान्धर्व, राक्षस विवाहों का प्रभाव कैसे व कितना है ? वर्णन कीजिए।

3. जन्मकुण्डली में विवाह बाधा के योगों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

अथवा

जातक ग्रन्थों में प्रमुख विवाह योगों का वर्णन कीजिए।

4. वैधव्य योग से क्या तात्पर्य है, उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. विष्णु प्रतिमा विवाह का प्रयोजन एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आधुनिक समाज में विवाह का स्वरूप कितना बदला इस पर अपने शब्दों में लिखिए।

2. शास्त्री विधि में वर–कन्या का चुनाव की विधि का उल्लेख कीजिए।

3. विवाह में गुरु–शुक्रास्त उदय का विचार कीजिए।

4. वर वरण मुहूर्त के विषय में लिखिए।

5. विवाह मेलापक में गण मैत्री का क्या महत्व है ?

6. वागदान से आप क्या समझते हैं तथा उसकी आवश्यकता बताइए।

7. मांगलिक दोष सपरिहार लिखिए।

8. वर्तमान समय में विवाह मेलापक के महत्व।

अथवा

विंशोत्तरी दशा क्या है ? उदाहरण सहित परिचय दीजिए।

****